क्या बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं?
क्या बच्चे पढ़ सकते हैं?
क्या बच्चे गणित के बुनियादी प्रश्न हल कर सकते हैं?
हर साल असर इन प्रश्नों के उत्तर देता है।

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

असर 2014 - ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट

असर क्यों किया जाता है?

भारत में 6-14 आयु वर्ग के 96.7% बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि देश के लगभग सभी बच्चे विद्यालय में नामांकित हों। अब हमें इस बात पर ध्यान देने की ज़रूरत है कि क्या बच्चे अच्छे से सीख रहे हैं।

हर साल भारत का हर नागरिक प्रारंभिक शिक्षा के लिए 2% कर अदा करता है। नागरिक होने के नाते हमें यह पता होना चाहिए कि क्या शिक्षा पर हो रहे खर्च और मेहनत का कुछ परिणाम हासिल हो रहा है। बच्चे विद्यालयों में नामांकित हैं, पर क्या वे सीख रहे हैं? वर्तमान स्थिति को जानने और समझने के बाद ही उपयुक्त काम किया जा सकता है।

असर क्या है?

असर (ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट) नागरिकों द्वारा किया जाने वाला भारत का सबसे बड़ा वार्षिक सर्वेक्षण है जिससे यह पता लगता है कि क्या बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं और क्या वे सीख रहे हैं। 5-16 आयु वर्ग के बच्चों के पढ़ने की और बुनियादी गणित की जाँच की जाती है। 3-4 आयु वर्ग के बच्चों के लिए हम केवल यह पूछते हैं कि क्या वे आंगनवाड़ी या पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नामांकित हैं। यह सर्वेक्षण घरों में किया जाता है।

असर भारत के हर ग्रामीण ज़िले में बच्चों का एक निरूपक सैम्पल है। प्रत्येक वर्ष देश के लगभग 16,000 गाँवों में 6 लाख से अधिक बच्चों का सर्वेक्षण किया जाता है।

असर की एक विशेषता यह है कि हर ज़िले में एक स्थानीय संस्था यह सर्वेक्षण करती है। प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक संस्थाओं के लगभग 25,000 से 30,000 स्वयंसेवक असर करते हैं। असर देश में लोगों की भागीदारी से किए जाने वाले सबसे बड़े अभ्यासों में से एक है। अपने ज़िले में असर के साथ जुड़कर लोग एक व्यापक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग देते हैं।

असर की शुरुआत 2005 में हुई थी और तब से यह हर वर्ष किया जा रहा है। 2014 असर का दसवां साल है।

असर 2013 के प्रमुख निष्कर्ष क्या थे?

ग्रामीण भारत में 96.7% बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं परन्तु राष्ट्रीय आंकड़े दर्शाते हैं कि:

- कक्षा 5 के आधे से ज़्यादा बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं।
- कक्षा 5 के लगभग आधे बच्चे कक्षा 2 के स्तर का सरल घटाव का प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं।

असर रिपोर्ट में ऐसे आंकड़े हर राज्य और हर कक्षा के लिए उपलब्ध हैं।

असर का क्या असर रहा है?

असर की राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर व्यापक चर्चा होती है। कई राज्य सरकारें प्रारंभिक शिक्षा से सम्बंधित कार्य योजना तैयार करने के लिए असर के आंकड़ों का प्रयोग करती हैं। असर का उल्लेख भारत सरकार की 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) और भारत का आर्थिक सर्वेक्षण (2013-2014) में किया गया है। कई राज्यों में, गाँव के स्तर पर स्वयंसेवक बच्चों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने का प्रयत्न कर रहे हैं। असर से प्रेरित होकर, अन्य देश जैसे कि पाकिस्तान, केन्या, तंजानिया, युगांडा, माली, सेनेगल और मेक्सिको असर जैसे प्रयास कर रहे हैं।

अधिक जानकारी के लिए: हमारी वेबसाइट www.asercentre.org देखें
असर सेन्टर, B4/54, सफ़दरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली 110029
फोन नं०: 011-46023612, 011-26716084 ई-मेल: contact@asercentre.org

असर सेंटर प्रथम की स्वशासित अनुसंधान और मूल्यांकन इकाई है (www.pratham.org)

सैम्पल

असर के बुनियादी पढ़ने की जाँच सामग्री: हिन्दी

यह बुनियादी पढ़ने की जाँच का एक सैम्पल है।

कक्षा II स्तर का पाठ

सावन का महीना था। आसमान में बहुत काले-काले बादल छाए थे। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। मुझे झूला झूलने का मन किया। बड़े भैया एक मोटी सी रस्सी लेकर बाहर आए। भैया ने रस्सी को पेड़ से लटकाकर झूला बनाया। सब ने मिलकर खूब झूला झूला। बाकी बच्चे भी आकर मज़े से झूलने लगे। झूलते-झूलते रात हो गई।

नोट: यह पाठ भारत में सारी कक्षा I और II की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण करके तैयार किया गया है।

पढ़ने की जाँच की सामग्री सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।
www.asercentre.org देखें, ई मेल: contact@asercentre.org

कक्षा I स्तर का पाठ

बग़ीचे में एक पेड़ है।
पेड़ पर एक तोता रहता है।
तोते का रंग हरा है।
वह लाल टमाटर खाता है।

अक्षर

ल प स
क ग
ड ब म
ट झ

सामान्य आसान शब्द

लाल दूध
पैर
तेल किला
मोर
जूता मौका

अक्षर/शब्द के लिए: बच्चे से कोई 5 पढ़ने को कहें, कम से कम 4 सही होने चाहिए।

सैम्पल

असर के बुनियादी गणित की जाँच सामग्री

यह बुनियादी गणित की जाँच का एक सैम्पल है।

अंक पहचान 1–9		संख्या पहचान 10–99		घटाव (दो अंकों का हासिल के साथ)		भाग (3 अंकों का 1 अंक से)
1	4	51	83	46 − 29	63 − 39	7)879(
7	3	37	65	47 − 28	45 − 17	6)824(
6	9	55	26	92 − 76	84 − 57	8)985(
5	2	91	43	52 − 14	66 − 48	4)517(
		36	27			
बच्चे से कोई भी 5 अंक पहचानने को कहें। कम से कम 4 सही होने चाहिए।		बच्चे से कोई भी 5 संख्या पहचानने को कहें। कम से कम 4 सही होनी चाहिए।		बच्चे से कोई भी 2 घटाव के सवाल करने को कहें। दोनों ही सही होने चाहिए।		बच्चे से कोई भी 1 भाग का सवाल करने को कहें। वह सही होना चाहिए।

नोट: अधिकतम भारतीय राज्यों में, कक्षा II के बच्चों से इस प्रकार के घटाव के सवाल को हल करने की अपेक्षा की जाती है।

नोट: अधिकतम भारतीय राज्यों में, कक्षा IV के बच्चों से इस प्रकार के भाग के सवाल को हल करने की अपेक्षा की जाती है।

यह सैम्पल टूल दीवार पर लगाएँ या इसका प्रयोग बच्चों के साथ करें।

मुख्य अध्यापक के लिए पत्र

दिनांकः.....
मुख्य अध्यापक जीः .....
विद्यालयः .....
ब्लॉक/तहसीलः .....
ज़िलाः .....

अधिक जानकारी के लिएः
हमारी वेबसाइट www.asercentre.org देखें
असर सेन्टर, B4/54, सफ़दरजंग एनक्लेव,
नई दिल्ली 110029
फोन नं०: 011-46023612, 011-26716084
ई-मेलः contact@asercentre.org

नमस्कार!

हम असर 2014 सर्वेक्षण करने के लिए आपके सहयोग के लिए निवेदन कर रहे हैं। असर का अर्थ है 'ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट'। यह भारत में हर साल राष्ट्रीय स्तर पर घरों में किया जाने वाला एक सर्वेक्षण है जो यह पता लगाता है कि क्या बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं और क्या वे सीख रहे हैं। 2005 से असर हर वर्ष किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण प्रथम संस्था के नेतृत्व में किया जाता है। अब जबकि 6-14 आयु वर्ग के 96% से ज़्यादा बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं, तो हमें इस बात पर ध्यान देने की ज़रुरत है कि क्या बच्चे अच्छे से सीख रहे हैं। असर सर्वेक्षण हर साल भारत के हर ग्रामीण ज़िले और राज्य के लिए यह जानकारी देता है।

असर सर्वेक्षण के लिए भारत के हर ग्रामीण ज़िले में रैंडम रूप से 30 गाँवों का चयन किया जाता है। इस साल आपका गाँव इन 30 चयनित गाँवों में से एक है। हर ज़िले में एक स्थानीय संस्था असर सर्वेक्षण करती है। स्वयंसेवकों को असर करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसी संस्था के स्वयंसेवक आपके गाँव और विद्यालय में असर सर्वेक्षण करने आए हैं।

आपके गाँव में असर की टीम रैंडम रूप से 20 घरों का चयन एक विशिष्ट प्रक्रिया से करेगी जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है। वे हर घर में बच्चों की जानकारी एकत्रित करेंगे। वे बच्चों की स्कूली शिक्षण की स्थिति के विषय में पूछेंगे (यदि बच्चा 3 या 4 साल का है, तो यह पूछा जाएगा कि क्या वह पूर्व प्राथमिक विद्यालय या आंगनवाड़ी में जाता है)। इसके अतिरिक्त, वे बच्चों की स्थानीय भाषा और अग्रेंज़ी में पढ़ने की और गणित की एक सरल जाँच करेंगे। हर घर में कुछ अन्य प्रश्न भी पूछे जाएंगे।

असर के लिए स्वयंसेवक हर गाँव में एक सरकारी विद्यालय में भी जाते हैं। यहाँ स्वयंसेवक नामांकन और उपस्थिति की बुनियादी जानकारी और विद्यालय में मौजूद सुविधाओं की कुछ जानकारी एकत्रित करते हैं।

असर के परिणामों की व्यापक रूप से राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर चर्चा होती है। कई राज्य सरकारों और ज़िला प्रशासनों ने विद्यालय संचालन में सुधार लाने और बच्चों के शिक्षण स्तरों को बेहतर बनाने पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

हम आपसे निवेदन करते हैं कि असर टीम द्वारा माँगी गई जानकारी देकर असर 2014 कराने में हमारी सहायता करें। विद्यालय का नाम किसी को बताया नहीं जाएगा। विद्यालय से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग शिक्षा के अधिकार के मानकों के कार्यान्वयन की स्थिति को समझने के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हम आपसे आपका मोबाइल नंबर असर टीम को देने का निवेदन करते हैं। इस जानकारी का प्रयोग केवल रीचेक के लिए ही किया जाएगा।

हम आपको पढ़ने और गणित की जाँच सामग्री के सैम्पल दे रहे हैं। हम आशा करते हैं कि आप इसका प्रयोग अपने विद्यालय के बच्चों के बुनियादी शिक्षण स्तरों की जाँच करने के लिए करेंगे। यदि आपको बच्चों के पढ़ने और गणित के स्तर असंतोषजनक लगें, तो हम आशा करते हैं कि आप अपने स्तर पर कमज़ोर बच्चों की बुनियादी दक्षताओं (भाषा और गणित) को मज़बूत करने का ठोस प्रयास करेंगे।

इस पत्र के पीछे एक पोस्टर दिया गया है। आप इस पोस्टर को अपने विद्यालय में लगा सकते हैं जिससे कि सभी शिक्षक एवं बच्चे इसे देख सकें।

हम आपकी सहायता और सहयोग के लिए आभारी हैं। यदि आपके हमारे लिए कोई सुझाव हों, तो कृपया दिए गए पते पर हमें लिखें या सम्पर्क करें।

धन्यवाद

डॉ. रुक्मिणी बनर्जी
निर्देशक, असर सेंटर

राज्य में असर का पताः

ज़िले में असर की सहभागी संस्था का पताः

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

अच्छी तरह सीखने में बच्चों की सहायता करें

यह सुनिश्चित करें कि हर शिक्षक को यह पता हो कि उनकी कक्षा में प्रत्येक बच्चा पढ़ सकता है और बुनियादी गणित कर सकता है।

कमज़ोर बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

यह सुनिश्चित करें कि बच्चे अगली कक्षा में जाने से पहले वर्तमान कक्षा की बुनियादी दक्षताएँ हासिल कर लें।

समय-समय पर बच्चे की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी अभिभावकों को दें।
बच्चों की पढ़ाई को बेहतर करने के लिए अभिभावक घर पर क्या कर सकते हैं, इसकी चर्चा करें।

बच्चों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।
प्रेरित करने पर बच्चे अच्छी तरह सीख पाते हैं।

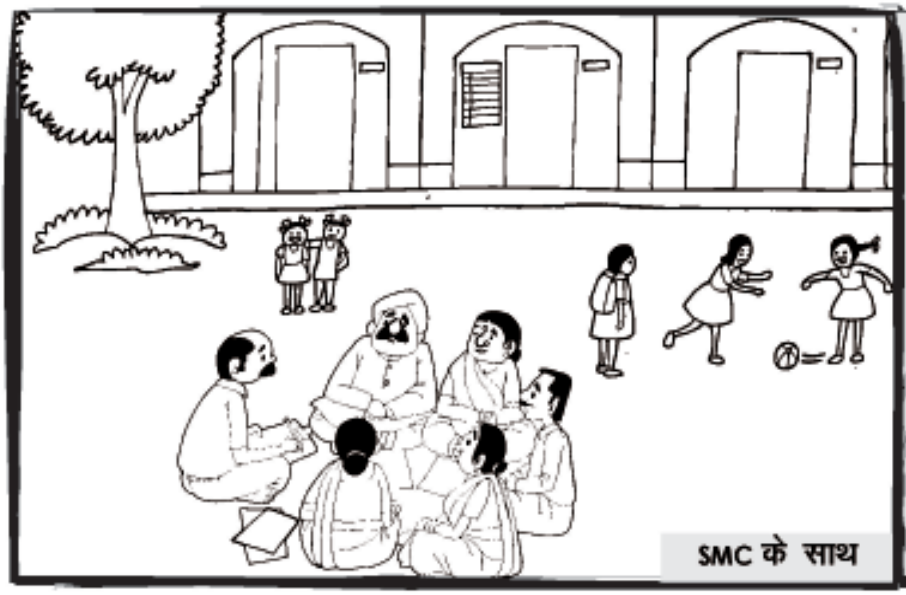

विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के सदस्यों के साथ चर्चा करें।

पढ़ाने की प्रक्रिया में उनका सहयोग लें।

बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए SMC के सदस्यों को बच्चों से लगातार बात करने के लिए प्रोत्साहित करें।